event today

'ये कहां आ गए हम'

समय: दोपहर 3 बजे

कहां: रंगायन सभागार, जवाहर कला केन्द्र

आयोजक: रॉयल क्लब

शास्त्रीय नाट्य पर्व 2023

समय: शाम 7 बजे

कहां: मुख्य सभागार रवीन्द्र मंच जयपुर

आयोजक: कला एवं सांस्कृतिक विभाग और नाट्यकुलम संस्थान जयपुर

कॉन्क्लेव 'इकोनॉमी एंड सस्टेनेबिलिटी'

समय: सुबह 10 बजे से

कहां: पूर्णिमा यूनिवर्सिटी रामचंद्रपुरा

आयोजक: इंटरनेशनल सॉलिड वेस्ट एसोसिएशन / इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड वेस्ट मैनेजर्स

City news

बच्चों ने बताया डस्टबिन का महत्व

जयपुर @ पत्रिका प्लस. जेएलएन मार्ग स्थित एक प्री-स्कूल का 7वां वार्षिक उत्सव महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। 250 बच्चों ने 'नर्चरिंग चाइल्डहुड' थीम पर प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि आईपीएस विपिन पांडे रहे। निदेशक अंशिता गुप्ता ने बताया कि बच्चों ने सेव एन्वायरमेंट ड्रामा में स्वच्छ भारत का इरादा कर लिया हमने... सहित डस्टबिन का महत्व बताया।

स्टूडेंट्स का टैलेंट निखारती हैं एक्टिविटीज

spotlight plus **जवाहर कला केन्द्र में चार दिवसीय पेंटिंग एग्जीबिशन**

अंडे पर बनाए 9 पूर्व पीएम के स्कैच, सात अजूबे और युद्ध के दृश्य

पत्रिका plus रिपोर्टर

जयपुर. आपने कैनवास, कागज, फेब्रिक, वॉल पर खूब पेंटिंग देखी होगी, लेकिन किसी मुर्गी, छिपकली, चिड़िया, कबूतर के अंडों पर पेंटिंग बहुत कम देखने को मिलती है। आर्टिस्ट प्रोफेसर रेनू विद्यार्थी ने 73 अंडों पर पेंटिग्स के माध्यम से अपनी कला को जीवंत किया है। ऐसी पेंटिंग जवाहर कला केन्द्र की सुकृति कला दीर्घा में चार दिवसीय पेंटिंग एग्जीबिशन में देखने को मिली।

आर्टिस्ट रेनू ने अंडों पर मिनिएचर पेंटिंग में एक साथ 10 महिलाएं, अंडे पर समाया अंतरिक्ष व श्रीकृष्ण, 18 साल पुरानी पेंटिंग में युद्ध के तीन दृश्य, बांसुरी बजाते हुए श्रीकृष्ण, बाघ, प्रकृति, मोनालिसा, मोनालिसा से रिलेट करते हुए अभिनेत्री ऐश्वर्या रॉय की पेंटिंग, एथेनिक आर्ट और कई मूर्तियों के स्कल्पचर्स भी बनाने की कोशिश की है। रेनू का कहना है कि हम किसी भी चीज पर पेंटिंग बना सकते हैं। इन्होंने हैंडमेड पेपर, फेब्रिक पर स्टोन कलर से कृष्ण की पेंटिंग, नेचर, शुकन्तला सीरीज, राधा-कृष्ण का ट्रेडिशनल और मॉर्डन लुक बनाए हैं।

अजंता की गुफाओं में बने चित्र

आर्टिस्ट ने अंडों पर पेंसिल स्कैच के माध्यम से 9 पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र और मुर्गी, छिपकली, चिड़िया, कबूतर के अंडों पर सात अजूबे को उकेरा है, जो एग्जीबिशन में आकर्षण का केन्द्र बना रहा। साथ ही अजंता की गुफाओं में बने चित्रों को भी अंडों पर बनाया है।

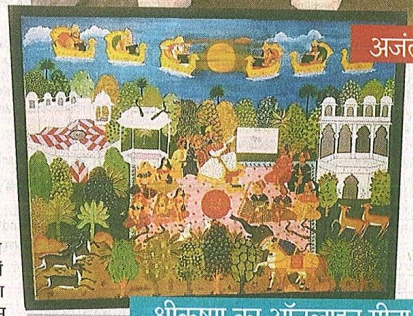

श्रीकृष्ण का ऑनलाइन गीता का उपदेश

आर्टिस्ट रेनू ने कोविड के दौरान बनाई पेंटिंग 'ऑनलाइन स्टडी विथ कृष्णा' डिस्प्ले की है। उन्होंने बताया कि इसे बनाने में दो साल लगे। इन्होंने पेंटिंग के माध्यम से बताया कि आज के जमाने में भगवान श्रीकृष्ण होते तो वो कोविड में कैसे पढ़ाते। पेंटिंग में वो एक प्रोजेक्टर और स्क्रीन के माध्यम से गीता के उपदेश देते हुए नजर आ रहे हैं। इसमें ब्रह्मांड के देवी-देवता भी लैपटॉप के माध्यम से उनसे ऑनलाइन जुड़े हुए दिखाई दे रहे हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य के लिए महिलाओं का सम्मान

महिला सुरक्षा : चुनौतियां और आगे का रास्ता विषय पर हुई परिचर्चा

पत्रिका plus रिपोर्टर

जयपुर. संयुक्त राष्ट्र संबंधों के लिए भारतीय परिषद (आइसीयूएनआर) ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं की सुरक्षा, चुनौतियां और आगे का रास्ता विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया।

कूकस के एक होटल में आयोजित परिचर्चा में पैनलिस्ट अनीता हाडा, लहर सेठी, डॉ. नीतू रामरखियानी और एडीशनल डीसीपी सुनीता मीणा ने चर्चा की, जिसका संचालन नैनी जैन ने किया।

कार्यक्रम में महिलाओं को उनके क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। आईसीयूएनआर की सचिव लहर सेठी ने कहा कि हमें अपने चारों ओर अद्भुत और सशक्त महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए समानता की आवश्यकता है। इस बारे में बात करते रहने की आवश्यकता है। इस दौरान हाइट्स फैशन इंस्टीट्यूट के दीपक गुप्ता, ले मैग्नीफिक ग्रुप के नीरज कुमार

सांख्यिकी ऑफिसर परीक्षा में दीक्षा प्रथम

जयपुर @ पत्रिका प्लस. राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर की ओर से आयोजित सांख्यिकी ऑफिसर परीक्षा में शहर की दीक्षा दीक्षित ने प्रथम स्थान हासिल किया। दीक्षा के पिता गजानंद दीक्षित का कहना है कि राज. विश्वविद्यालय से जुड़ी दीक्षा ने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की उच्च शैक्षणिक क्षमता को सार्वजनिक रूप से पेश किया। गौरतलब है कि राजस्थान विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग से 19 स्टूडेंट्स ने इसमें सफलता हासिल की है।

CINEWEB सिनेवेब
MOVIES.TV.OTT
राजस्थान पत्रिका

'शजाम 2'- किसी को भी इंजरी के बारे में नहीं कहा

अभिनेत्री हेलेन मिरेन ने अपनी टूटी उंगली के बारे में किसी को नहीं बताया क्योंकि वह नहीं चाहती हैं कि 'शजाम' की स्टंट टीम उन्हें आगे स्टंट करने से मना कर दे। शजाम 2 , 17 मार्च को रिलीज होगी।

एक्सक्लूसिव पंकज त्रिपाठी से 'पत्रिका' की खास बातचीत

'आज क्षेत्रीय सिनेमा बहुत अच्छा काम कर रहा है'

मोहम्मद इमरान

मुंबई. अभिनेता पंकज त्रिपाठी के पास इस साल 'फुकरे 3', 'कागज 2' और 'मिर्जापुर' के सीजन 3 जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। 'कागज' में दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक के साथ काम कर चुके पंकज 'कागज 2' में उनके साथ काम कर रहे थे। उनके निधन की खबर पर पंकज ने 'पत्रिका' से बातचीत में कहा, 'बेहद दुखी और स्तब्ध हूं। पिछले दिनों मिलने की बात कर रहे थे हम दोनों, अब मिलना नहीं होगा सतीश कौशिक सर से। उनके सपने का सहभागी रहा हूं। अब स्मृतियों में रहेंगे। उनका अटूट भरोसा और स्नेह सदैव मेरे साथ रहेगा। वह पहले व्यक्ति थे जिसने मुझपे भरोसा किया। 'कागज' फिल्म के दौरान उन्होंने मुझसे कहा कि यह कहानी तेरा इंतजार कर रही थी, आ बनाते हैं। अभी बहुत कहानियां साथ बनानी थी सर। ईश्वर परिवार को शक्ति दें।' पंकज त्रिपाठी से हुई से चर्चा के प्रमुख अंश...

30 साल बाद आज की फिल्में याद आएंगी

Q. क्षेत्रीय सिनेमा को ओटीटी के दौर में किस तरह देखते हैं?

पंकज: बीते कुछ वर्षों में मैंने कन्नड़, बांग्ला, मलयालम सिनेमा देखा है। हिंदी सब-टाइटल या डबिंग के साथ अब क्षेत्रीय सिनेमा ओटीटी के दौर में पहले से और मजबूत हुआ है। क्षेत्रीय सिनेमा में अब बहुत बढ़िया काम हो रहा है। कन्नड़, बांग्ला के निर्देशक इस समय अच्छी कहानियां प्रस्तुत कर रहे हैं।

Q. भारतीय सिनेमा आज जिस मुकाम पर है, वहां से इसे किस दिशा में बढ़ते हुए देख रहे हैं?

पंकज: अब हमारा भारतीय सिनेमा ग्लोबल हो गया है। ओटीटी के चलते अब हमारी फिल्में 200 देशों में पहुंच रही हैं। मैं जब विदेशों में जाता हूं, तो लोग हमें जिस तरह ट्रीट करते हैं, देखकर खुशी होती है कि हमारी परफॉर्मेंस और किरदार यहां तक पहुंच रहे हैं।

Q. आज का कंटेंट यादगार सिनेमा बनेगा?

पंकज: मेरा मानना है कि आज बन रही फिल्मों को हम अब से 30 साल बाद याद रखेंगे। देखिए, आज की फिल्मों की मेमोरी आज ही बनाएंगे, तो संतुलन नहीं बैठ पाएगा। हम जब युवा थे, तो हमारी पीढ़ी को उस दौर की स्मृतियां याद हैं, ऐसे ही आज की युवा पीढ़ी को हमारे आज के दौर की फिल्में और सिनेमा स्मृति के तौर पर याद रहेगा। सिनेमा बदलता रहता है और उसके दर्शक भी, किरदार हमेशा अमर रहते हैं।

Q. तकनीक का कितना असर नजर आएगा?

पंकज: चूंकि, मैं सिनेमा की तकनीक, खासकर वीएफएक्स, 3डी या कैमरा तकनीक का एक्सपर्ट नहीं हूं, इसलिए मेरी राय हवा-हवाई ही होगी, इस बारे में। फिर भी आप पूछ रहे हैं, तो यही कहूंगा कि तकनीक हमारे काम को शायद पहले से और आसान बना दे। हालांकि, मैं तकनीकी पक्ष के बारे में बहुत ज्यादा विचार करने वाला व्यक्ति नहीं हूं। फिर भी सिनेमा में कहानी कहने के ढंग पर आने वाले दिनों में तकनीक का कुछ न कुछ असर देखने को मिलेगा ही, इसमें तो कोई शक नहीं है।

Q. अब रियल लोकेशन कितनी अहम हैं?

पंकज: राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ऐसे ही दूसरे राज्य और उनका स्थानीय सिनेमा अपनी रियल लोकेशंस की वजह से काफी पॉपुलर हैं। कहानी की डिमांड के अनुसार, आज हर कोई ऑथेंटिक होना चाहता है, मुंबइया सेट की बजाय असल लोकेशन पर शूट करने से कहानी कहने और शूटिंग का अलग मजा आता है। निर्देशक भी अब इन मामलों में काफी रियलिस्टिक हो गए हैं।

हार्ट अटैक के बाद